खेलें करें सीखें

कक्षा दूसरी

भारत का संविधान

भाग 4 क

मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य– भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखें;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।

शासन निर्णय क्रमांक अभ्यास २११६/(अ.क्र.४३/१६) एस.डी.-४ दिनांक २५.०४.२०१६ के अनुसार समन्वय समिति का गठन किया गया। दि. १९.०३.२०१९ को हुई इस समिति की बैठक में यह पाठ्यपुस्तक शैक्षिक वर्ष सन २०१९-२० से निर्धारित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई।

खेलें, करें, सीखें

(स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा, कार्यानुभव, कला शिक्षा)

कक्षा दूसरी

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति एवं अभ्यासक्रम संशोधन मंडल, पुणे ४.

DRJZHV

आपके स्मार्टफोन में उपलब्ध ‘DIKSHA App’ द्वारा पाठ्यपुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर दिए गए Q.R.Code के माध्यम से डिजिटल पाठ्यपुस्तक और प्रत्येक पाठ के अंत में दिए गए Q.R.Code के माध्यम से उस पाठ से संबंधित अध्ययन-अध्यापन के लिए उपयोगी दृक-श्रव्य सामग्री उपलब्ध हो जाएगी।

प्रथमावृत्ति : २०१९
पुनर्मुद्रण : २०२१

© महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति एवं अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे ४११००४.
इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति और अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति और अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

'खेलें, करें, सीखें' विषय समिति

१. श्री. जी. आर. पटवर्धन, (अध्यक्ष)
२. प्रा. सरोज देशमुख
३. श्री. प्रकाश पारखे
४. श्री. सुनील देसाई
५. श्री. मुकुल देशपांडे
६. श्री. संतोष थळे
७. श्रीमती रश्मी राजपुरकर
८. श्री. विद्याधर म्हात्रे
९. श्री. नागसेन भालेराव
१०. श्रीमती वंदना फडतरे
११. श्री. ज्ञानेश्वर गाडगे
१२. डॉ. अजयकुमार लोळगे (सदस्य-सचिव)

'खेलें, करें, सीखें' अध्ययन गुट

१. डॉ. विश्वास येवले
२. श्री. निलेश झाडे
३. श्रीमती उज्ज्वला नांदखिले
४. श्री. शंकर शहाणे
५. श्री. अश्विन किनारकर
६. श्री. अरविंद मोढवे
७. श्री. अमोल बोधे
८. श्री. प्रकाश नेटके
९. श्री. हिरामण पाटील
१०.श्री. प्रवीण माळी
११. श्रीमती निताली हरगुडे
१२. श्रीमती किशोरी तांबोळी
१३. श्रीमती आसावरी खानझोडे
१४. श्रीमती प्राजक्ता ढवळे
१५. श्री. ज्ञानी कुलकर्णी
१६. श्रीमती सुजाता पंडित
१७. श्री. अशोक पाटील
१८. श्री. सोमेश्वर मल्लिकार्जुन
१९. श्री. अशफाक खान मन्सूरी

मुखपृष्ठ
श्री. सुनील देसाई
श्रीमती प्रज्ञा काळे
चित्र व सजावट
श्री. श्रीमंत होनराव
श्री. प्रताप जगताप
श्री. राहुल पगारे
भाषांतर और समीक्षण
प्रा. ज्ञानेश्वर सोनार
प्रा. शशी निघोजकर

संयोजक : **डॉ. अजयकुमार लोळगे**
विशेषाधिकारी कार्यानुभव,
प्र. विशेषाधिकारी कला एवं
प्र. विशेषाधिकारी स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

अक्षरांकन : पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

निर्मिति : **श्री. सच्चितानंद आफळे**
मुख्य निर्मिति अधिकारी

श्री. प्रभाकर परब,
निर्मिती अधिकारी

श्री. शशांक कणिकदळे,
सहायक निर्मिती अधिकारी

कागज : ७० जी.एस.एम. क्रीमवोव
मुद्रणादेश :
मुद्रक :

प्रकाशक
विवेक उत्तम गोसावी

नियंत्रक,
पाठ्यपुस्तक निर्मिति मंडळ,
प्रभादेवी, मुंबई-२५

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) **को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

राष्ट्रगीत

जनगणमन – अधिनायक जय हे
भारत – भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत – भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई–बहन हैं।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता–पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

बालमित्रो,

कक्षा दूसरी में आप सबका स्वागत है। गत वर्ष आपने 'खेलें, करें, सीखें' पाठ्यपुस्तक का अध्ययन किया है। फिर से 'खेलें, करें, सीखें' कक्षा दूसरी की यह पुस्तक आपके हाथों में देते हुए हमें बहुत प्रसन्नता हो रही है।

आपको नई-नई वस्तुएँ बनाना, गीत गाना, कहानी सुनना तथा खेलना बहुत अच्छा लगता है। साथ ही आपको वाद्य बजाना, नृत्य एवं नाटिका का मंचन करना, चित्र बनाकर उनमें रंग भरना, चित्र चिपकाना, नए खेल ढूँढ़ निकालना भी बहुत भाता है। है ना?

ये सभी बातें 'खेलें, करें, सीखें' पुस्तक द्‌वारा पूर्ण करने को मिलेंगी। विविध शारीरिक गतिविधियाँ करना, नए खेल और दौड़ प्रतियोगिताएँ ढूँढ़ना, सादी राखी, कागज की चकरी, सूखे पत्तों और फूलों से सौंदर्याकृति तैयार करना, कहानी, संवाद, कविता, पहेली, रंगकाम, शिल्प, वाद्‌यों का परिचय कर लेना; यह सभी संभव होगा। आप उपर्युक्त सभी उपक्रमों द्‌वारा तैयार की हुई नई वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई सकते हो। कुछ वस्तुएँ दूसरों को भेंट भी दे सकते हो। इससे आपको आनंद मिलेगा और आपकी सराहना भी होगी। संक्षेप में, आप जीवन शिक्षा से मित्रता स्थापित करनेवाले हो।

'समता से समानता' इस उक्ति के अनुसार कक्षा के सभी विद्‌यार्थी आधुनिकता का आधार लेकर अध्ययन करनेवाले हैं। आप जैसे गुणवान, कृतिशील विद्‌यार्थियों को अपने-आपको व्यक्त करने के लिए यह पुस्तक एक उत्तम साधन बनेगी। तो चलो, कृतिशील अध्ययन का अनुभव लेते हैं।

इस पुस्तक के कुछ पृष्ठों के नीचे क्यू.आर.कोड दिए गए हैं। क्यू.आर.कोड की सहायता से प्राप्त जानकारी आपको पसंद आएगी। इस पुस्तक में जो बातें आपको अच्छी लगीं तथा इसमें और कौन-सी अच्छी बातों को जोड़ना अपेक्षित है, इस बारे में हमें अपने अभिप्राय अवश्य भेजें।

'खेलें, करें, सीखें' पुस्तक के सभी उपक्रम बड़े उत्साह और सफलता के साथ पूर्ण करने के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

पुणे

दिनांक : ६ अप्रैल २०१९

भारतीय सौर १६ चैत्र, शके १९४१

(डॉ. सुनिल मगर)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति
एवं अभ्यासक्रम संशोधन मंडल, पुणे-४

अध्यापकों के लिए

'खेलें, करें, सीखें' इस शीर्षक की पाठ्यपुस्तक में स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा, कार्यानुभव, कलाशिक्षा इन तीनों विषयों का क्रमशः समावेश किया गया है। अध्यापक को सहायक की भूमिका निभाते हुए दी गईं सूचनाओं के अनुसार और व्यक्तिगत कल्पनाशीलता से उपक्रम पूर्ण करा लेने हैं। इन तीनों विषयों का एक-दूसरे के साथ तथा भाषा, गणित, परिसर अध्ययन इन विषयों से भी समन्वय किया जा सकता है। इस समन्वय पद्धति से विद्यार्थियों को आनंददायी अनुभव मिलेंगे। उनकी शिक्षा जीवन से जुड़ी जाएगी और ये अनुभव जीवनभर उपयुक्त साबित होंगे, ऐसे उत्तम उपक्रमों का इस पुस्तक में समावेश किया गया है। उपक्रम पूर्ण करवाने के लिए आप उस घटक के विशेषज्ञ, अभिभावक, अध्यापक, खिलाड़ी, उद्यम-व्यवसाय के कारीगर, कलाकारों की मदद ले सकेंगे । साथ ही; सूचना एवं प्रौद्योगिकी के आधुनिक साधनों का भी उपयोग कर सकते हैं।

'खेलें, करें, सीखें' पुस्तक में केवल शारीरिक शिक्षा, कार्यानुभव, और कलाशिक्षा विषयों से संबंधित उपक्रमों का संकलन नहीं है अपितु इसमें विद्यार्थियों को विविध शैक्षणिक अनुभव देने के लिए भरपूर रंगीन चित्र और अध्यापकों को लिए स्पष्ट सूचनाओं का नियोजन किया गया है। कक्षा दूसरी के विद्यार्थी लेखन, वाचन क्रिया में अधिक प्रगत नहीं होते हैं। इसलिए उन क्रियाओं की तरफ धीमे-से ले जाने का और शिक्षा को अधिक मनोरंजक बनाने का यह एक उत्तम साधन है।

इस पाठ्यपुस्तक द्वारा एक-दूसरे से पूरक रेखाएँ, आकार, चित्र बनाना, पेन्सिल घुमाना, अक्षर बनावट, चिपककाम (कोलाज), मिट्टी का काम, उपलब्ध साधनों से सौंदर्याकृतियों की निर्मिति, जलसाक्षरता, आपदा प्रबंधन द्वारा प्राकृतिक गतिविधियों का परिचय, व्यावसायिक शिक्षा की तरफ ले जानेवाले उत्पादक उपक्रम, सड़क सुरक्षा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी का परिचय, विविध शारीरिक गतिविधियाँ, सामान्य कसरतें, स्वच्छता, खेल, प्रतियोगिता और शिक्षा को जीवनभर जोड़कर रखने वाले उपक्रम प्रस्तुत किए गए हैं। यह पाठ्यपुस्तक छात्रों के लिए है। अतः इसमें पाठ्यक्रम, उद्देश्य, क्षेत्र और सभी उपक्रमों का समावेश नहीं किया गया है। इनको जानने के लिए पाठ्यपुस्तक मंडल द्वारा प्रकाशित शिक्षक हस्तपुस्तिकाओं का उपयोग करना उचित रहेगा।

दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न करते हुए समावेशी शिक्षा द्वारा उन्हें सभी सामान्य छात्रों के साथ मुख्य प्रवाह में लाकर उनकी शिक्षा में निरंतरता रखने का प्रयत्न इन सभी उपक्रमों के आयोजन द्वारा किया जा सकेगा । इस पुस्तक की विशेषता यह है कि इसमें प्रत्येक घटक का शीर्षक, चित्रमय प्रस्तुति, अध्यापक अभिभावकों के लिए सूचनाएँ और विद्यार्थियों को अभिव्यक्त होने के लिए 'मेरी कृति' उपक्रम हेतु रिक्त स्थान दिए गए हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी रुचिनुसार स्वतंत्रता से अध्ययन करके कौशल प्राप्त करने और उपक्रमों में सहभागी होने का अवसर प्राप्त होगा। इसके लिए आप उपक्रम के संदर्भ में उनकी प्रत्येक कृति को स्वीकार करें।

'खेलें, करें, सीखें' पुस्तक तीन विषयों का संकलित रूप है। फिर भी उनके उप्रकम और मूल्यांकन निर्धारित कालांशों के अनुसार स्वतंत्र रूप से करें तथा उनका, भाषा, गणित, परिसरअध्ययन आदि विषयों से समन्वय बनाकर रखें। उपक्रमों के आयोजन में लचीलापन लाकर कक्षा की रचनाओं में बदलाव लाना, क्षेत्र सैर का आयोजन करना, सूचना एवं प्रौद्योगिकी के साधनों का उपयोग कल्पकता से किया जा सकता है। अध्ययन और अध्यापन के उद्दिष्टों की परिणामकारकता को जानने के लिए मापदंड निर्धारित करके 'सतत सर्वंकष मूल्यांकन पद्धति' का प्रयोग करें। दिव्यांग विद्यार्थियों का मूल्यांकन करते समय योग्य सावधानी बरतना जरूरी है। विद्यार्थियों से कौशलपूर्ण कार्य की अपेक्षा न रखते हुए उन्हें अभिव्यक्त होने और कृतियुक्त सहभाग लेने का अवसर देना अपेक्षित है।

हममें से बहुत-से अध्यापक शैक्षणिक मूल्यों में वृद्धि कराने के लिए अपने-अपने स्कूल में नवीनतम अनुभव दिलानेवाले उपक्रमों का आयोजन करते हैं। उनकी जानकारी देने वाले फोटो, वीडियो पाठ्यपुस्तक मंडल को जरूर भेजें। आपके उपक्रमों, कल्पनाओं और सूचनाओं का सदैव स्वागत है।

पाठ्यपुस्तक में दिए गए उपक्रमों, पूरक उपक्रमों को सफलता के साथ पूर्ण करने के लिए आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ!

खेलें, करें, सीखें
विषय समिति व अध्ययन गुट
पाठ्यपुस्तक मंडल, पुणे

खेलें	करें	सीखें
Learning by Playing	Learning by Doing	Learning by Art

खेलें, करें, सीखें, कक्षा दूसरी, अध्ययन निष्पत्ति/क्षमता विधान

अ.क्र	विषय	घटक/इकाई	अध्ययन निष्पत्ति/क्षमता विधान
१	खेलें	१. स्वास्थ्य	• स्वास्थ्य की अच्छी आदतों को समझकर उनका पालन करता है। • मैदान से संबंधित बातों की जानकारी लेता है।
		२. विविध गतिविधियाँ और योग्य शारीरिक स्थिति	• योग्य शरीर स्थिति रखकर विविध गतिविधियों का अभ्यास करता है।
		३. खेल और प्रतियोगिताएँ	• विविध प्रकार के खेलों में रस लेता है। प्रतियोगिताओं में सहभागी होता है।
		४. कौशल पर आधारित उपक्रम	• कौशल पर आधारित उपक्रमों का अभ्यास करता है।
		५. कसरत	• सभी जोड़ों और माँसपेशियों को उत्तेजित करने के लिए योग्य कसरतें करता है।
२.	करें	१. आवश्यकता पर आधारित उपक्रम • जलसाक्षरता • आपदा प्रबंधन	• कक्षा को सुशोभित करके विशेष दिवस और परिसर में स्थित लघु उद्यमों की जानकारी बताता है। • पानी के विविध उपयोग बताता है। पानी के बारे में बालगीत, कहानी, जलसंचय के साधनों के नाम बताता है और चित्र रँगता है। • भूकंप, बाढ़, सुनामी, आगजनी, बिजली का गिरना जैसी आपदाओं के चित्रों को पहचानता है।
		२. अभिरुचिपूरक उपक्रम	• परिसर में उपलब्ध साधनों का आधुनिकता से समन्वय रखकर अभिरुचि के अनुसार सामग्री तैयार करता है।
		३. कौशल पर आधारित उपक्रम	• आवश्यकता और समस्याओं से संबंधित कौशलपूर्ण समाजोपयोगी सामग्री को तैयार करता है।
		४. ऐच्छिक उपक्रम • भोजन, वस्त्र, आवास	• उत्पादन के लिए आवश्यक प्राथमिक कौशल प्राप्त करके पर्याप्त अर्थोत्पादन करनेवाले उपक्रमों में सहभागी होता है। • भोजन, वस्त्र, आवास से संबंधित उपक्रमों में सहभागी होता है।
		५. तकनीकी क्षेत्र, यातायात सुरक्षा	• कंप्यूटर के विविध पुर्जों को पहचानकर बाह्य अंगों का उपयोग करता है। • यातायात के नियमे समझ लेता है।
		६. अन्य क्षेत्र, पशु-पक्षी संवर्धन	• विविध पालतू प्राणियों और पक्षियों को पहचानता है और उनके उपयोग बताता है। • चित्र द्वारा प्राणियों और पक्षियों के अंग बताता है।
३.	सीखें	१. चित्र	• रुचि के अनुसार पेंसिल घुमाता है तथा पेंसिल से घुमाए हुए जगह पर वृत्त, त्रिभुज, चौकोन बनाकर रंग कार्य करता है। योग्य क्रम से बिंदुओं को जोड़कर रँगता है। • रेखाओं के विविध आकारों से आसान आकार बनाता है तथा नक्काशी काम करता है। • छापा कार्य और चिपक काम (कोलाज) करता है। रंगों का परिचय कर लेता है और चित्र रँगता है। सुलेखन के लिए रेखाओं का अभ्यास करता है।
		२. शिल्प	• चिपक काम और मिट्टी काम की मदद से विविध वस्तुएँ तैयार करता है।
		३. गायन	• बालगीत और समूहगीत को ताल स्वर में गाता है।
		४. वादन	• विविध वस्तुओं पर आघात करके ध्वनि की निर्मिति करता है। • वाद्यों से परिचय कर लेता है। ताल में तालियाँ बजाता है।
		५. नृत्य	• हाथ और पाँव की लयबद्ध गतिविधियाँ करता है। बालगीत और समूहगीत पर अभिनय-नृत्य करता है।
		६. नाट्य	• दैनिक जीवन की कृतियों की मदद से अभिनय और नाट्य का परिचय प्राप्त करता है। आंगिक और वाचिक अभिनय का प्रस्तुतीकरण करता है।

अनुक्रमणिका

खेलें

घटक/इकाई	पृष्ठ
१. आरोग्य/स्वास्थ्य	१
२. विविध गतिविधियाँ और योग्य शारीरिक स्थिति	८
३. खेल और प्रतियोगिताएँ	१४
४. कौशल के उपक्रम	२२
५. कसरत	२६

करें

घटक/इकाई	पृष्ठ
१. आवश्यकता पर आधारित उपक्रम	३१
२. अभिरुचिपूरक उपक्रम	३९
३. कौशल पर आधारित उपक्रम	४१
४. ऐच्छिक उपक्रम	४३
५. प्रौद्योगिकी क्षेत्र	६०

सीखें

घटक/इकाई	पृष्ठ
१. चित्र	६१
२. शिल्प	७१
३. गायन	७४
४. वादन	७७
५. नृत्य	८१
६. नाट्य	८५